संख्या–285 /पांच–5–2025

प्रेषक,

मनोज कुमार सिंह,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1– **अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उ0प्र0 शासन,**
नगर विकास/पंचायतीराज/बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग/ग्राम्य विकास/चिकित्सा शिक्षा/कृषि विभाग/सिंचाई विभाग/बेसिक शिक्षा विभाग/पशुपालन विभाग/माध्यमिक शिक्षा विभाग/दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग/सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग/वाणिज्य कर एवं मनोरंजन विभाग/नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग/खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग/उद्यान विभाग।

2– समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।

3– समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा अनुभाग–5 **लखनऊ, दिनांकः 17 मार्च, 2025**

विषयः–माह अप्रैल, 2025 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण (01 से 30 अप्रैल, 2025) एवं दस्तक अभियान (10 से 30 अप्रैल, 2025) तथा इस हेतु संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व का निर्धारण।

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। वर्ष 2024 में माह अप्रैल, जुलाई एवं अक्टूबर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियानों का आयोजन सभी जनपदों में हो चुका है।

विगत वर्षों की भाँति वर्ष 2025 में भी प्रदेश में संचारी रोगों की रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय अपनाते हुए व्यापक अभियान संपादित किये जाने हैं। इन अभियानों के वर्ष 2025 के प्रथम चरण की गतिविधियाँ विस्तृत कार्ययोजना बनाकर माह अप्रैल 2025 में संपादित की जाएंगी **(संचारी रोग नियंत्रण अभियान दिनाँक 01 से 30 अप्रैल तथा दस्तक अभियान दिनाँक 10 से 30 अप्रैल, 2025)।**

कार्ययोजना से सम्बंधित सामान्य दिशा–निर्देश, जनपदों हेतु गतिविधियों की समय–सारणी/बैठक/प्रशिक्षण समय–सारणी तथा अन्य महत्वपूर्ण तिथियां, विभिन्न विभागों के कार्यों एवं दायित्वों का निर्धारण तथा दिशा–निर्देश समस्त जनपदों में दस्तक अभियान हेतु दिशा–निर्देश, उत्तर दायित्व निर्धारण तथा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के प्रारम्भ हेतु चिन्हित गतिविधियां संलग्न हैं।

2– कृपया संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान से संबंधित संलग्न दिशा–निर्देशों के अनुसार जनपद स्तर पर अन्तर्विभागीय बैठक आहूत कर समस्त आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से करने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय,
12.3.25
(मनोज कुमार सिंह)
मुख्य सचिव।

go-neelam

संख्याः– 285 /पांच–5–2025 तद्दिनांकः

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
3. निदेशक, संचारी एवं वी0बी0डी0, उ0प्र0, लखनऊ।
4. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0।
5. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उ0प्र0।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

12/3/2025

(पार्थ सारथी सेन शर्मा)

प्रमुख सचिव।

go-neelam

सामान्य दिशा–निर्देश

फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्त्री) निम्नलिखित लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम, पता एवं मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगे –

1. बुखार के रोगियों की सूची।
2. आई0एल0आई0 (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) रोगियों की सूची।
3. क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची।
4. कुष्ठ रोग, फाइलेरिया एवं कालाज़ार रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों की सूची।
5. कुपोषित बच्चों की सूची।

इसी के साथ क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची जहाँ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो, निर्धारित प्रपत्र पर फ्रंटलाइन वर्कर्स के द्वारा तैयार कर उपलब्ध कराई जाएगी।

डिजिटल इन्टरवेन्शन्स :

1. **लक्षणयुक्त व्यक्ति/संभावित रोगी के डेटा को ई–कवच पोर्टल पर अद्यतन करना :** पूर्व चरणों की भाँति फ्रन्ट लाइन वर्कर्स रोगों के लक्षणों वाले किसी व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित व्यक्ति का विवरण ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल रूप मे अद्यतन करेंगे। प्रत्येक लक्षणयुक्त व्यक्ति/संभावित रोगी के डेटा को प्रदेश में नवीन विकसित यूनिफाइड डिजीज सर्विलेंस पोर्टल (UDSP) पर ऐ0पी0आई0 लिंकेज के माध्यम से स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था है। ताकि इन व्यक्तियों की जांच तथा उपचार सुनिश्चित करते हुए समस्त जानकारी को अपडेट किया जा सके।
2. **आभा सृजन :** माह अक्टूबर, 2024 की भाँति माह अप्रैल, 2025 में संचारी रोग अभियान में फ्रंट लाइन वर्कर माइक्रोप्लान के अनुसार प्रतिदिन कार्यक्षेत्र में आने वाले परिवारों के सभी सदस्यों का आभा सृजन अवश्य रूप से करेंगे तथा परिवार के सदस्यों को आभा नंबर से अवगत कराएंगे। उपरोक्त हेतु प्रत्येक परिवार पर पर्याप्त समय उपलब्ध कराने हेतु माह अप्रैल 2025 में भी दस्तक अभियान की अवधि 3 सप्ताह रखी गई है।
3. **मण्डल तथा जनपद स्तरीय अधिकारियों हेतु लक्षणयुक्त व्यक्तियों तथा मॉनीटरिंग के विवरण की उपलब्धता** :
   - मण्डल तथा जनपद स्तरीय अधिकारी दस्तक अभियान के दौरान चिन्हित किए गए लक्षणयुक्त व्यक्तियों की जाँच की स्थिति यूनिफाइड डिजीज सर्विलेंस पोर्टल पर देख सकते हैं (https://udsp.in/)। इस हेतु लॉगइन क्रेडेंशियल पूर्व में समस्त स्तर के अधिकारियों को प्रेषित किए जा चुके हैं।
   - इसी के साथ संचारी अभियान के दौरान सहयोगी संस्थाओं (डब्लू0एच0ओ0, यूनिसेफ़ तथा पाथ) के द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में की गई मॉनीटरिंग का क्षेत्र एवं विभागवार विवरण संचारी अभियान के मॉनीटरिंग डैशबोर्ड पर उपलब्ध है, जिसका लिंक निम्नवत है –

     https://datastudio.google.com/s/qdcU0U5_MvQ

हीट वेव के प्रबंधन हेतु आवश्यक गतिविधियाँ : भारत सरकार के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2025 को माह मार्च से मई 2025 के मध्य की अवधि हेतु निर्गत मौसम पूर्वानुमान दस्तावेज के माध्यम से इस वर्ष सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश सहित देश के अधिकांश भागों में इस अवधि में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना व्यक्त की गई है। माह मार्च के अंत में मध्य पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जनपदों से प्रारंभ होकर मार्च से मई 2025 के मध्य की अवधि में प्रदेश के अधिकांश जनपद हीट वेव मैप में अत्याधिक प्रभावित जनपदों में प्रदर्शित हो रहे हैं।

ऐसी स्थिति में विभिन्न जनपदों में वेक्टर जनित तथा जल जनित रोगों के आउटब्रेक्स अधिक होने की संभावना है। उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज) के विषय में **अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए निम्न गतिविधियाँ प्राथमिकता के आधार पर किया जाना आवश्यक है –**

- भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर जनमानस हेतु शीतल एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था
- गर्मी से बचाव हेतु शेलटर्स की व्यवस्था
- व्यस्त स्थानों पर मौसम के पूर्वानुमान तथा तापमान का डिस्प्ले
- हीट वेव से बचाव हेतु उपायों का जनमानस में व्यापक प्रचार प्रसार
- विद्यालयों में हीट वेव से बचाव हेतु उपायों का विद्यार्थियों में व्यापक प्रचार प्रसार

सभी जनपदों में सघन वेक्टर नियंत्रण गतिविधियाँ तथा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु आवश्यक गतिविधियाँ माह अप्रैल से ही अन्तर्विभागीय सहयोग के साथ प्रारम्भ किया जाना आवश्यक है। इस हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी अधिष्ठान के अधीनस्थ मलेरिया विभाग के कार्यकर्ता क्षेत्रवार योजना बनाते हुए विगत वर्ष के मच्छर जनित रोगों के आंकड़ों के आधार पर चिन्हित किए गए हाई रिस्क क्षेत्रों में वेक्टर घनत्व का आकलन भी करेंगे।

सघन वेक्टर नियंत्रण गतिविधियाँ :

वर्ष 2024 के अभियानों की भांति रोग संचरण अवधि में रोगों के अनियंत्रित प्रसार पर नियंत्रण हेतु वेक्टर नियंत्रण से संबंधित सभी गतिविधियाँ सघन रूप से संचालित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। वेक्टर नियंत्रण हेतु किए गए समस्त सर्वे तथा अंतर्विभागीय गतिविधियों की सूचना हेतु एक पृथक प्रपत्र तैयार किया गया है जिस पर सभी संबंधित विभागों द्वारा अपनी कृत गतिविधियों की सूचना अनिवार्य रूप से राज्य मुख्यालय को प्रेषित की जाएगी। प्रभावी वेक्टर नियंत्रण हेतु निम्नवत बिंदुवार गतिविधियाँ किया जाना आवश्यक है –

- विगत वर्ष के आंकड़ों के आधार पर उच्च जोखिम क्षेत्रों (High risk areas) की लिस्ट को की सूची को अद्यतन किया जाना।
- दस्तक अभियान के अंतर्गत घर–घर भ्रमण के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर्स के द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर ऐसे क्षेत्रों की सूची तैयार करना, जहाँ घरो में मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी अधिष्ठान के अधीनस्थ मलेरिया विभाग के कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्रवार योजना बनाते हुए उक्त चिन्हित किए गए हाई रिस्क क्षेत्रों में वेक्टर घनत्व का आकलन किया जाना ।
- **उपरोक्त सभी क्षेत्रों में जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा वेक्टर घनत्व के विभिन्न सूचकांकों यथा हाउस इंडेक्स, ब्रेटयू इंडेक्स, कंटेनर इंडेक्स इत्यादि का आकलन किया जाएगा।**
- **जिन क्षेत्रों में यह सूचकांक सामान्य से अधिक पाये गये हों अथवा मच्छरों का सामान्य से अधिक प्रजनन सूचित हुआ हो ऐसे क्षेत्रों की सूची अंतर्विभागीय सहयोग से मच्छर नियंत्रण गतिविधियाँ संपादित करने हेतु नगर विकास, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा इत्यादि सभी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई जाएंगी।**
- **संबंधित विभागों के जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा उपलब्ध कराई गई अधिक मच्छर घनत्व वाले क्षेत्रों की सूची में अंकित स्थानों पर समुचित वेक्टर नियंत्रण गतिविधियाँ संपादित की गई हैं।**
- वेक्टर नियंत्रण हेतु किए गए समस्त सर्वे तथा अंतर्विभागीय गतिविधियों की सूचना हेतु एक पृथक प्रपत्र तैयार किया गया है, जिस पर सभी संबंधित विभागों द्वारा अपनी कृत गतिविधियों की सूचना अनिवार्य रूप से राज्य मुख्यालय को प्रेषित की जाएगी।

प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु उपरोक्तानुसार सघन अंतर्विभागीय गतिविधियाँ अत्यंत आवश्यक है। साथ ही सभी क्षेत्रों में सघन प्रचार–प्रसार गतिविधियों भी संपादित की जाएं तथा शिक्षा विभाग के द्वारा भी विद्यालयों में छात्रों एवं अभिभावकों को मच्छरों से बचाव के विषय में तथा बुखार से प्रभावित होने की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किए जाने के विषय में निरंतर संवेदीकरण किया जाएगा। अध्यापकों द्वारा अभिभावकों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए की यूनिफॉर्म हेतु उपलब्ध कराई गई धनराशि से पूरी बाजू की कमीज तथा फुल लेंथ की पैण्ट ही यूनिफॉर्म के रूप में छात्रों को उपलब्ध कराई जाए। इस हेतु जनपद स्तर पर जिलाधिकारियों के द्वारा सतत नेतृत्व एवं मॉनिटरिंग आवश्यक है।

संचारी रोग नियंत्रण तथा दस्तक अभियानों हेतु बनायी जाने वाली कार्य योजना में प्रत्येक गतिविधि हेतु निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख आवश्यक रूप से किया जाए तथा माह की समाप्ति के

उपरान्त राज्य मुख्यालय को प्रेषित रिपोर्ट्स में सभी उपलब्धियाँ निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रदर्शित की जाएँ। साफ–सफाई, कचरा निस्तारण, जल भराव रोकने तथा शुद्ध पेयजल उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए सभी विभाग व्यवहार परिवर्तन तथा प्रचार–प्रसार की भी व्यापक योजना बनाएं, जिससे जन–सामान्य तक सभी जानकारियों की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

प्रत्येक विभाग के राज्य मुख्यालय द्वारा माइक्रोप्लानिंग की पूर्णता, समयबद्धता तथा माइक्रोप्लान्स के अनुसार जनपदों में सम्पादित की जा रही गतिविधियों का अनुश्रवण भी सुनिश्चित किया जाए तथा समस्त जनपदों से साप्ताहिक एवं अभियान समाप्ति पर अंतिम रिपोर्ट प्राप्त कर अन्तर्विभागीय रिपोर्ट के संकलन हेतु संचारी रोग इकाई, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को मेल आई डी–**idspup@gmail.com** एवं aesjestate@gmail.com पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। **प्रत्येक विभाग द्वारा राज्य स्तर पर एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो अभियान से सम्बन्धित सभी बैठकों में प्रतिभाग करें।**

विभिन्न रोगों की रोकथाम हेतु विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए एक साथ कार्यवाही करना आवश्यक है, जिसके लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार जनपद तथा ब्लाक स्तर पर समन्वय समितियों का गठन कर नियमित अंतराल पर विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्य निष्पादन तथा जनपद में विभिन्न रोगों की स्थिति की समीक्षा हेतु इन समितियों की बैठक आयोजित की जानी है। जनपद तथा ब्लाक स्तर पर इन समितियों का स्वरूप, कार्ययोजना तथा बैठकों की आवर्तिता हेतु निर्देश आपको पूर्व में प्रेषित किये जा चुके हैं।

माह अप्रैल, 2025 के संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु पूरे प्रदेश में दिनांक 20 मार्च, 2025 को ब्लॉक स्तर पर संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु ब्लॉक टास्कफोर्स की बैठक की जाए, जिसमें खंड विकास अधिकारी तथा ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सभी विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ प्रतिभाग करेंगे। इस बैठक में सभी विभागों के माइक्रोप्लानिंग फॉर्मेट्स तथा प्रत्येक विभाग द्वारा अपेक्षित गतिविधियों के विषय में विस्तार से चर्चा की जाए। माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट ब्लॉक स्तर से तैयार कर प्रत्येक विभाग द्वारा जनपद स्तर पर प्रेषित किए जाने हैं, जहां विभाग के जनपदीय मुख्यालय पर इनका संकलन कर यह माइक्रोप्लानिंग प्रपत्र प्रत्येक विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे।

समस्त जनपदों में प्रथम जनपदीय टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन दिनाँक 22 मार्च, 2025 को किया जाएगा, जिसमें ब्लाक टास्क फोर्स की बैठक के आयोजन, ब्लाक स्तरीय माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट्स की उपलब्धता एवं पूर्णता, ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की अभियान से सम्बंधित गतिविधियों के विषय में जानकारी तथा अभियान की मॉनिटरिंग की रूपरेखा का आंकलन करते हुए अभियान पर विस्तृत चर्चा की जाए, जिससे अभियान के अपेक्षित लक्ष्यों को पूर्ण रूप से प्राप्त किया जा सके।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की एक माह की अवधि के दौरान प्रत्येक सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विगत सप्ताह में संपादित की गई गतिविधियों की पूर्णता तथा गुणवत्ता की समीक्षा हेतु अंतर्विभागीय बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें सहयोगी संस्थाओं यथा विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनीसेफ, पाथ संस्था इत्यादि के द्वारा की गई मॉनीटरिंग गतिविधियों के समेकित फीडबैक पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी।

अभियान के प्रारम्भ होने के उपरान्त इस बात का ध्यान रखा जाए कि माइक्रो प्लानिंग फॉर्मेट में तिथिवार एवं क्षेत्रवार जिस प्रकार गतिविधियां अंकित की गई हैं वह उसी प्रकार तिथिवार एवं क्षेत्रवार संपादित की जाए जिससे सभी गतिविधियों की सुचारू रूप से मॉनिटरिंग सम्भव हो सके।

go-neelam

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक हेतु बैठक/प्रशिक्षण की समय–सारिणी

बैठक/प्रशिक्षण का नाम	दिवस/तिथि	उत्तरदायित्व
ब्लॉक स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठकें	दिनाँक 20 मार्च, 2025	उप–जिलाधिकारी/ ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/खंड विकास अधिकारी
प्रथम जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनाँक 22 मार्च, 2025	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
ब्लाक स्तर पर नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण	ब्लाकवार योजना बनाते हुए दिनाँक 24–25 मार्च, 2025 के मध्य	शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी
स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण बैठकें	समस्त नगर निगम :24 मार्च, 2025 समस्त नगर पालिका : 25 मार्च, 2025 समस्त नगर पंचायत : 26 मार्च, 2025	स्थानीय निकायों के कार्यकारी अधिकारी
ब्लाक स्तरीय ग्राम प्रधान / ग्राम विकास अधिकारी संवेदीकरण बैठक	ब्लॉकवार योजना बनाते हुए दिनाँक 27–28 मार्च, 2025 के मध्य संपादित करा ली जायें।	खंड विकास अधिकारी
विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु ब्लॉक एवं जनपद स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता	दिनांक 28 मार्च, 2025	समस्त विभाग
द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक	दिनाँक 29 मार्च, 2025	जिलाधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
दस्तक अभियान हेतु ब्लॉक स्तरीय माइक्रोप्लान की उपलब्धता (माह अप्रैल के माइक्रोप्लान पर आधारित)	दिनांक 08 अप्रैल, 2025	ब्लॉक प्रभारी चिकित्साधिकारी
दस्तक अभियान के संचालन हेतु ब्लॉक चिकित्सालय पर आशा, ए.एन.एम. तथा आँगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का संवेदीकरण	ब्लॉक वार योजना बनाते हुए दिनाँक 4 से 8 अप्रैल, 2025 के मध्य पूर्ण करा लिया जाए।	ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

अन्य महत्वपूर्ण तिथियाँ

(1) सभी विभागों द्वारा स्वास्थ्य विभाग (मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय) पर कार्ययोजना जमा कराना : 28.03.2025

(2) स्वास्थ्य विभाग द्वारा संकलित अन्तर्विभागीय कार्ययोजना यूनिसेफ, डब्लू.एच.ओ.–एन.पी.एस.पी तथा पाथ को उपलब्ध कराना – 29.03.2025

(3) संचारी रोग नियंत्रण अभियान का प्रारंभ : 01.04.2025

(4) दस्तक अभियान का प्रारंभ : 10.04.2025

(5) शनिवार तक की गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय प्रेषण : प्रत्येक सोमवार (समीक्षा बैठक में पाई गयी कमियों पर एक्शन टेकेन रिपोर्ट के साथ)

(6) अभियान की सम्पूर्ण माह की रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय प्रेषणः 05.05.2025

विभिन्न विभागों के कार्यों एवं दायित्वों का निर्धारण एवं दिशा–निर्देश

संचारी रोगों तथा दिमागी–बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिए इस विषय पर एक सम्पूर्ण सोच के साथ सम्बन्धित विभागों के मध्य उचित समन्वय का होना आवश्यक है। इस हेतु मुख्य विभागों के कार्य एवं दायित्व निम्नवत् हैं :

(1) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से सम्बन्धित रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों हेतु राज्य, जनपद, ब्लाक तथा पंचायत/ग्राम स्तरों पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय हेतु नोडल विभाग का कार्य करेगा।
- संचारी रोगों तथा दिमागी–बुखार केसेज की निगरानी (सर्विलेंस)।
- **वेक्टर सर्विलांस गतिविधियां संपादित करना, मलेरिया विभाग के कर्मियों तथा फ्रन्ट लाइन वर्कर्स द्वारा घर–घर भ्रमण के दौरान किए गए सर्वे की रिपोर्ट्स के आधार पर वेक्टर घनत्व के आंकड़ों का विश्लेषण कर आकलित वेक्टर सूचकांकों को निरोधात्मक गतिविधियों हेतु समस्त सहयोगी विभागों को उपलब्ध कराना।**
- फ्रंट लाइन वर्कर्स द्वारा उपलब्ध कराई गयी लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित रोगियों की लक्षण के अनुसार संचारी रोगों हेतु जाँच की व्यवस्था।
- फ्रंट लाइन वर्कर्स द्वारा उपलब्ध कराई गयी क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची में उल्लिखित रोगियों की लक्षण के अनुसार क्षय रोग हेतु जाँच रोगियों के उपचार की व्यवस्था।
- रोगियों के निःशुल्क परिवहन हेतु रोगी वाहन की व्यवस्था।
- वाहक नियंत्रण गतिविधियॉ – ग्रामीण क्षेत्रों में वाहक के घनत्व का आकलन, वाहक के स्रोतों में कमी, लार्वारोधी गतिविधियॉ तथा आवश्कयतानुसार फॉगिंग।
- **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** के विषय मे प्रचार–प्रसार एवं व्यवहार परिवर्तन गतिविधियाँ।
- मॉनिटरिंग, पर्यवेक्षण, रिपोर्टिंग, अभिलेखीकरण तथा विश्लेषण।

(2) नगर विकास विभाग

- नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं कर्मियों का **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** की रोकथाम तथा साफ–सफाई के सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संवेदीकरण।
- नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित करना।
- शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई हाई रिस्क क्षेत्रों की सूची मे उल्लिखित स्थानों पर सघन वेक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियाँ संपादित कराना।
- नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित करना।
- खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों/कचरों की सफाई करवाना।
- उथले हैण्ड पम्पों का प्रयोग रोकने के लिए उन्हें लाल रंग से चिन्हित किया जाना।
- हैण्ड पम्पों के पाइप को चारों ओर से कंकरीट से बन्द करना।
- हैण्ड पम्पों के पास अपशिष्ट जल के निकलने हेतु सोक–पिट का निर्माण।
- शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिये बैक्टीरियोलॉजिकल/वायरोलॉजिकल जाँच।

- आबादी में मिनी पब्लिक वाटर सप्लाई (एम0पी0डब्ल्यू0एस0), टैंक टाईप स्टैन्ड पोस्ट (टी0टी0एस0पी0) की मानकों के अनुसार स्थापना एवं अनुरक्षण।
- जल भराव तथा वनस्पतियों की वृद्धि को रोकने के लिए सड़कों तथा पेवमेन्ट का निर्माण करना।
- सड़कों के किनारे उगी वनस्पतियॉ को नियमित रूप से हटाया जाना।
- शहरी क्षेत्रों एवं शहरी मलिन बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में सघन रूप से गतिविधियों को सम्पादित करना।
- संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर खुले में शौच से मुक्त (ODF) करना।
- संवेदनशील क्षेत्रों तथा शहरी मलिन बस्तियों में विभागीय गतिविधियों की प्रगति आख्या भौतिक प्रगति के अभिलेखीकरण के साथ तैयार करना।

(3) **पंचायती राज विभाग/ग्राम्य विकास विभाग**

- **जनसंपर्क तथा जनजागरण :**
  - ग्राम-प्रधान अपने ग्राम में अभियान के नोडल होंगे।
  - ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम निगरानी समितियों के माध्यम से **दिमागी-बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित रखना।
    - ग्राम स्तर पर साफ-सफाई, हाथ धोना, शौचालय की सफाई तथा घर से जल निकासी हेतु जन-जागरण के लिये प्रचार-प्रसार।
    - **दिमागी-बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** के रोकथाम हेतु "क्या करें क्या न करें" का सघन प्रचार-प्रसार।
- **शुद्ध पेयजल की व्यवस्था**
  - उथले हैण्ड पम्पों को लाल रंग से चिन्हित कर जनता को उनका प्रयोग न करने के लिए जागरूक करना।
  - खराब इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्पों की मरम्मत एवं निरन्तर क्रियाशील रखना एवं उसके चारों ओर पक्का चबूतरा बनवाना।
  - सामुदायिक वाटर फिल्टर्स, व्यक्तिगत वाटर फिल्टर्स तथा वाटर पम्पयुक्त टैंक टाइप स्टेण्ड पोस्ट की स्थापना (माइक्रोफाइनेन्स योजनाओं के द्वारा)।
  - पेयजल स्रोतों/संसाधनों से शौचालयों की दूरी के उपाय, शौचालयों/सीवर से पेयजल प्रदूषित न होने देने के लिए आवश्यक उपाय।
- **वेक्टर कंट्रोल**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा फण्ड से एण्टीलार्वल छिड़काव की व्यवस्था, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई हाई रिस्क क्षेत्रों की सूची मे उल्लिखित स्थानों पर सघन वेक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियाँ संपादित कराना। **इस हेतु ग्राम स्तर पर उपलब्ध पंचायत सहायकों एवं सफाई कर्मियों का प्रशिक्षण कराते हुए इन कर्मियों का भी प्रयोग इन गतिविधियों हेतु किया जाए।**
  - जलाशयों एवं नालियों की नियमित सफाई ।
  - अपशिष्ट/रूके हुए पानी तथा मच्छरों के प्रजनन की समस्याओं को रोकने के लिए गड्ढों का भराव तथा मकानों के बीच कंकरीट अथवा पक्की ईंटों वाली सड़कों का निर्माण।
  - झाड़ियों की कांट-छांट का कार्य करवाना।
  - जलाशयों एवं तालाबों से हाईसिन्थ पौधों की सफाई।
- **वातावरणीय स्वच्छता :**
  - जल निकासी एवं साफ-सफाई, वाटर सील्ड शौचालयों की आवश्यकता ग्राम स्तर पर कचरा निस्तारण एवं प्रबन्धन व्यवस्था का विकास।

- संक्रमण तथा जल संदूषण की उत्तरदायी खुली नालियों को ढकना।
- सभी संवेदनशील ग्रामों में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ग्रामों में प्रत्येक मकान में शौचालय का निर्माण कर ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त बनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ेदानों की स्थापना में सहयोग।
- ग्राम स्तर पर ऐच्छिक स्वास्थ्य प्रेरक चिन्हित कर, ग्रामवासियों के मार्गदर्शन हेतु इनका स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण सुनिश्चित करवाना।

(4) <u>पशुपालन विभाग</u>

- **विगत कुछ वर्षों से प्रदेश के अनेक जनपदों से पशुओं के मूत्र के द्वारा फैलने वाला लेप्टोस्पायरोसिस रोग भी सूचित हो रहा है। इसी के साथ पशु अनेक रोगों में इंटरमीडियेट होस्ट की भूमिका निभाते हैं, पशु बाड़ों में गन्दगी के कारण भी अनेक रोगों का प्रसार होता है, जिसको देखते हुए अभियान में पशु पालन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।**
- सूकर पशुपालकों को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करना।
- इसके अतिरिक्त सूकर पालन स्थल पर वेक्टर नियंत्रण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करना।
- यथासंभव सूकर बाड़े मानव आबादी से दूर स्थापित करवाना।
- सूकर पालकों को सूकर बाड़े की साफ–सफाई, कीटनाशक छिड़काव एवं मच्छररोधी जाली से ढकने हेतु प्रशिक्षित किया जाना।
- सभी प्रकार के पशु बाड़ों की स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा मच्छररोधी जाली के प्रयोग हेतु पशु पालकों का गहन संवेदीकरण।

(5) <u>बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग</u>

- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को **दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर संवेदीकरण किया जाना।
- बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा वी0एच0एस0एन0डी0 की बैठक कराने के साथ सोशल डिस्टेन्सिंग के प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुये टीकाकरण के साथ–साथ कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण एवं पोषाहार वितरण सहित अन्य कार्य पूर्व की भांति कराया जाना।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त कुपोषित तथा अति–कुपोषित बच्चों की सूची बनाकर उनको उचित पोषाहार उपलब्ध कराना तथा आवश्कता होने पर पोषण पुनर्वास केन्द्रों पर उपचार तथा पोषण पुनर्वास हेतु भेजना ।
- ए0ई0एस0 / जे0ई0 रोग से विकलांग कुपोषित बच्चों को अति कुपोषित बच्चों की भाँति पुष्टाहार / टेक–होम राशन उपलब्ध कराना।
- संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार हेतु जन जागरण अभियान यथा दस्तक अभियान में स्थानीय ए0एन0एम0 तथा आशा कार्यकत्रियों को सहयोग करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान करना।
- दिव्यांग बच्चों के प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से समन्वय स्थापित कर सहयोग प्राप्त करना।
- आशा कार्यकत्री द्वारा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु क्षेत्र में सम्पादित की जा रही समस्त गतिविधियों एवं गृह भ्रमण में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री आशा कार्यकत्री के साथ रहते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी, इस हेतु आवश्यक निर्देश सभी जनपदों को ससमय प्रेषित कर दिए जाए।

(6) <u>शिक्षा विभाग</u>

- **प्राईवेट व सरकारी स्कूलों में अध्यापकों द्वारा अभिभावकों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि यूनिफॉर्म हेतु पूरी बाजू की कमीज तथा फुल लेंथ की पैण्ट ही यूनिफॉर्म के रूप में छात्रों को उपलब्ध कराई जाए।**
- शिक्षकों द्वारा अभिभावकों का **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संवेदीकरण किया जाये, विशेषकर सुरक्षित पीने का पानी, शौचालय का प्रयोग, खुले में शौच के नुकसान पर जोर दें। हर बुखार खतरनाक हो सकता है, बुखार के कारण क्या हैं, बुखार होने पर **"क्या करें, क्या ना करें"**, के विषय में जागरुक करें।
- क्लोरिनेशन डेमो, पेयजल को उबालना, साबुन से हाथ धोना, शौचालय का प्रयोग इत्यादि के विषय में छात्रों एवं अभिभावकों को जागरुक करना।
- स्कूल प्रबन्धन समिति के सदस्यों का उनके मासिक बैठक में **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** पर संवेदीकरण करें।
- शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकों के वितरण के समय अभिभावकों का संवेदीकरण किया जायेगा।
- पोस्टर प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, क्विज प्रतिस्पर्धा, निबंध लेखन इत्यादि माध्यमों से छात्रों को रोगों से बचाव, पर्यावरणीय स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में सक्रिय सहभागिता के साथ जागरूक करना, शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों का संचालन।
- **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से बचाव संबंधी प्रचार–प्रसार सामग्री को स्कूल में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना।
- छात्रों की गतिविधियों में उनके अभिभावकों की भी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु इस अभियान हेतु छात्रों को दिए गए असाइनमेंट्स यथा पोस्टर, निबंध इत्यादि पर अभिभावकों से भी दो पंक्तियों की टिप्पणी लिखने का आग्रह किया जाए।

(7) <u>चिकित्सा शिक्षा विभाग</u>

- बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर तथा किंग जार्ज चिकित्सा महाविद्यालय, लखनऊ द्वारा पीडियाट्रिक आई0सी0यू0 के सफल संचालन के लिये जनपदों के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ एवं स्टॉफ नर्सेज को तथा ए0ई0एस0 / जे0ई0 रोग की प्रयोगशाला जाँच हेतु प्रयोगशाला प्राविधिक को प्रशिक्षित किया जाना।
- बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर में ए0ई0एस0 / जे0ई0 रोगियों के उपचार हेतु मानव संसाधन एवं उपकरणों की उपलब्धता व प्रयोगशाला में ए0ई0एस0 रोगियों के विभिन्न कारकों की जांच हेतु सुदृढ़ीकरण किया जाना।
- राज्य स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य के रूप में आउट ब्रेक रिस्पांस तथा नीति निर्धारण में सहायता।
- **समस्त चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की जाँच तथा मरीजों की संख्या में वृद्धि की स्थिति हेतु सर्ज कैपेसिटी की व्यवस्था।**
- **प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में सूचित होने वाले संक्रामक रोगियों की सूचना यूनीफाईड डिजीज सर्विलांस पोर्टल / इस हेतु निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से राज्य सर्विलांस इकाई को उपलब्ध कराना, इस हेतु संस्थान में चिकित्सालय तथा प्रयोगशाला स्तर पर उत्तरदायित्व निर्धारण कर आवश्यक प्रपत्रों पर प्रतिदिन रिपोर्ट प्रेषित की जाए।**
  - न्यूरो–रिहैबिलिटेशन।

(8) <u>दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग</u>

- ए0ई0एस0 / जे0ई0 रोग के उपरान्त दिव्यांग हुए बच्चों का सर्वे जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी द्वारा करवाया जाना।

- जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेन्टर का सुदृढ़ीकरण किया जाना, जिससे इन दिव्यांग बच्चों को इस योग्य बनाया जा सके, कि वे अन्य शिक्षा संस्थानों में सामान्य बच्चों के साथ ही शिक्षा ग्रहण कर सकें।
- दिव्यांग बच्चों हेतु आवश्यक सहायक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(9) कृषि एवं सिंचाई विभाग

- **विगत कुछ वर्षों से प्रदेश के अनेक जनपदों में लेप्टोस्पायरोसिस तथा स्क्रब टाईफस के रोगी संसूचित हुए हैं, जिसको देखते हुए अभियान में कृंतक नियंत्रण (कृषि विभाग) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।**
- जमे हुए पानी में मच्छरों के प्रजनन को रोकने तथा सिंचाई के वैकल्पिक उपायों पर अपनी तकनीकी सलाह देना।
- मच्छर रोधी पौधों का उगाया जाना।
- विभागीय पौधशाला से पौधे तथा बीज उपलब्ध कराना (नवीन फसलें तथा मच्छर रोधी पौधे)।
- खेतों में कृंतक नियंत्रण के प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय बताना।
- नहरों तथा तालाबों के किनारे उगी वनस्पतियों को प्रत्येक पखवाड़े हटाना।
- कृषि–मित्रों इत्यादि लिंक कार्यकर्ताओ की मदद से उपरोक्त गतिविधियों के संचालन के निरीक्षण में मदद उपलब्ध कराना।
- खेतों में मच्छरों के प्रजनन को रोकने/कम करने हेतु नई तकनीकों के प्रयोग के लिए मदद उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण आबादी क्षेत्रों के निकट नहरों में जल–क्षरण की मरम्मत करना, ताकि मच्छर के प्रजनन के स्थान कम से कम रहें।

(10) सूचना विभाग

सभी स्तरों पर विभिन्न विभागों से नियमित संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाही तथा गतिविधियों का विभिन्न सूचना माध्यमों से व्यापक प्रचार–प्रसार। **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों के विषय में जनपद में प्रचार–प्रसार।**

(11) उद्यान विभाग

सार्वजानिक उद्यानों एवं विद्यालयों में मच्छर विकर्षी पौधों का रोपण।

उपरोक्त सभी विभागों को उनके द्वारा "**संचारी रोग नियंत्रण अभियान– माह अप्रैल, 2025**" में किये जाने वाले कार्यो की ग्रामवार माहवार कार्ययोजना तैयार कर ब्लाक तथा जिला स्तरीय समन्वय समिति में प्रस्तुत कर **ब्लॉक/जनपद स्तरीय समेकित कार्ययोजना** तैयार की जानी है, जिसकी प्रगति की समीक्षा **प्रत्येक शनिवार अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठकों** में की जाएगी। **विभागवार लक्ष्य के सापेक्ष शनिवार तक की गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय पर प्रेषण प्रत्येक सोमवार (समीक्षा बैठक में पाई गयी कमियों पर एक्शन टेकेन रिपोर्ट के साथ) किया जायेगा। लक्ष्य के सापेक्ष अभियान की सम्पूर्ण माह की रिपोर्ट का राज्य मुख्यालय पर प्रेषण 05 मई, 2025 तक अनिवार्य रूप से किया जायेगा।**

अभियान हेतु समस्त विभागों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले माइक्रो प्लानिंग तथा रिपोर्टिंग प्रपत्र संलग्न हैं।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपर्लिखित तालिका के अनुसार विभिन्न बैठकों एवं प्रशिक्षणों का **आयोजन करते हुए दिनांक 28 मार्च, 2025 तक सभी विभागों के जनपदीय तथा ब्लॉक स्तरीय माइक्रो प्लान मुख्य चिकित्साधिकारी एकत्र कर यूनिसेफ, डब्लू.एच.ओ.–एन.पी.एस.पी तथा पाथ को दिनांक 29 मार्च, 2025 तक उपलब्ध करा दिए जाएँ**, ताकि सभी विभागों की गतिविधियों का कार्य योजना के सापेक्ष पर्यवेक्षण, इन एजेंसीज के माध्यम से

कराया जा सके। कार्य योजना की सॉफ्ट कॉपी तैयार करवाकर राज्य मुख्यालय को भी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

प्रदेश के समस्त जनपदों में व्यापक जन–जागरूकता हेतु दस्तक अभियान का प्रथम चरण आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर–घर जाकर इन बीमारियों के बचाव तथा उपचार के सम्बन्ध में विभिन्न जानकारी देंगे तथा अन्य सभी विभाग अपनी–अपनी सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन करेंगे।

अभियान की समाप्ति के उपरान्त समस्त विभागों का लक्ष्य के सापेक्ष गतिविधि विवरण तथा एक्सन टेकेन रिपोर्ट विभिन्न उच्चतर स्तरों पर प्रेषित किये जाने हैं। अतः समयबद्धता तथा रिपोर्ट की पूर्णता पर विशेष ध्यान दिया जाय।

<u>समस्त जनपदों में दस्तक अभियान</u>

प्रदेश के समस्त जनपदों में **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों** के सम्बन्ध में व्यापक जन–जागरूकता हेतु दिनांक 10 से 30 अप्रैल , 2025 के मध्य दस्तक अभियान आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर–घर जाकर इन बीमारियों के बचाव तथा उपचार के सम्बन्ध में विभिन्न जानकारी देंगे। समस्त जनपदों में संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समस्त अन्तर्विभागीय गतिविधियाँ यथावत जारी रहेंगी। जिनके साथ–साथ आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गृह भ्रमण कर **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से बचाव तथा इसके उपचार के विषय में स्वास्थ्य शिक्षा तथा आवश्यक जानकारी देते हुये जन–जागरूकता का कार्य भी किया जायेगा।

जैसा कि आप अवगत है कि दस्तक एक व्यापक स्वास्थ्य शिक्षा, जागरूकता तथा सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संचार रणनीति है, जो लोगों को बचाव और सही समय पर उपचार के संदेश पहुंचा कर उन्हें दिमागी बुखार की समस्या को निपटाने के लिये प्रेरित करेगी। **<u>दस्तक का शाब्दिक अर्थ है "दरवाजा खटखटाना"</u>**।

इस अभियान के जरिये स्वास्थ्य शिक्षा एवं व्यवहार परिवर्तन के संदेश गाँव के हर एक घर और परिवार तक पहुंचाने का लक्ष्य है। आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गृह भ्रमण कर यह जानकारी देनी है कि रोगों से बचाव हेतु क्या करना है, क्या नहीं करना है ताकि जनमानस समय रहते सही उपाय अपनाने के लिये जागरूक बने। अभियान को प्रभावी बनाने में क्षेत्रीय कार्यकर्ता जैसे आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, ए0एन0एम0, स्कूल शिक्षक और ग्राम प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी की अहम भूमिका है। इस अभियान में बुखार के रोगियों का निकटवर्ती सरकारी अस्पताल में त्वरित तथा सही उपचार कराए जाने पर विशेष बल दिया जाना है।

आशा कार्यकर्त्रियों की इस अभियान में सहभागिता सुनिश्चितीकरण तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों का न्यूनतम 10 प्रतिशत सत्यापन जनपद स्तर पर डी0सी0पी0एम0 तथा ब्लाक स्तर पर बी0सी0पी0एम0 का उत्तरदायित्व होगा।

उत्तरदायित्व निर्धारण

संचारी रोग नियंत्रण माह में जन–जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न स्तरों पर निम्नवत उत्तरदायित्व निर्धारित किये गए हैं –

दस्तक अभियान में आशा की भूमिका

दिमागी बुखार एवं अन्य संक्रामक रोगों सम्बन्धित जागरूकता बढ़ाने और बचाव और उपचार संदेश के प्रसार में आशा की महत्वपूर्ण भूमिका है। वह समुदाय को संवेदीकृत करने और **दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों, क्षय रोग, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया एवं काला अज़ार रोगों से तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** बचाव के लिये बेहतर व्यवहारों को अपनाने के लिये प्रेरित करेगी।

माह अक्टूबर, 2024 की भांति माह अप्रैल, 2025 में फ्रन्ट लाइन वर्कर्स के द्वारा ई–कवच पोर्टल पर दर्ज किये गए व्यक्तियों का डाटा सही प्रकार से अंकित करते हुए साथ में आभा आई0डी0 जेनरैट करना है। इस हेतु आशा कार्यकर्ता प्रत्येक भ्रमण किये गए आवास के सापेक्ष पूर्व में ई–कवच पोर्टल पर अंकित नाम, पता तथा जन्म तिथि के डाटा का आधार कार्ड के सापेक्ष शत प्रतिशत सही होने की पुष्टि करेंगी जिसके उपरांत परिवार के सदस्यों का आभा आई0डी0 जेनरैट किया जाएगा। परिवार के ऐसे सदस्य जिनकी सूचना ई–कवच पोर्टल पर दर्ज नहीं है उनकी सूचना ई–कवच पोर्टल पर दर्ज करते हुए उनके आभा का सृजन किया जाएगा तथा आभा नंबर से परिवार को अवगत कराएंगे।

उपरोक्त हेतु प्रत्येक परिवार पर पर्याप्त समय उपलब्ध कराने हेतु माह अप्रैल में दस्तक अभियान की अवधि 3 सप्ताह रखी गई है।

- प्रशिक्षण के उपरान्त आशा से अपेक्षित है कि वह हर घर तक पहुंचे, परिवारों से सम्पर्क करें और मुख्य संदेश प्रसारित करें।
- गृह भ्रमण का ट्रैक रखने के लिए और अपने गृह सम्पर्क दर्शाने के लिये वह घर में (जिनमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे अथवा क्षय रोग के लक्षणों वाले व्यक्ति पाए जाएँ) प्रमुख जगह पर स्टीकर (दिया जायेगा) लगायेगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि घर के सदस्य किसी भी बुखार के समय नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर सम्पर्क करें।
- संदेश प्रसारित करने के लिये घर–घर सम्पर्क करने के साथ आशा सामुदायिक स्तर पर होने वाली गतिविधियों में सहयोग करेंगी, जैसे मातृ समूह की बैठक का आयोजन, समय–समय पर स्कूल का भ्रमण और शिक्षकों को बच्चों में जागरूकता बढ़ाने में मदद करना, स्वयं सहायता समूहों की बैठक कराना, मातृ बैठकों का आयोजन, वीएचएसएनसी बैठकों का आयोजन एवं पेय जल को साफ करने के लिये क्लोरिनेशन का डेमो आयोजित करना, यह सब उसके प्रशिक्षण का हिस्सा है।
- आशा दस्तक अभियान की ग्राम स्तर की गतिविधियों की योजना बनायेगी।
- आशा अपनी योजना ए0एन0एम0 के साथ–साथ ब्लाक चिकित्सालय पर साझा करेंगी। यह योजना स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा को दिये गये प्रारूप में बनायी जायेगी। सही तरीके से प्रारूप भरने के बाद आशा उसे ए0एन0एम0 को समय से जमा (बैठक में तय की गई तिथि तक) करेंगी।
- दस्तक अभियान के दौरान, आशा अपने किये गये कार्यों की सूचना प्रतिदिन भर कर ए0एन0एम0 को उपलब्ध कराएगी।
- वाहक नियंत्रण गतिविधियॉ–ग्रामीण क्षेत्रों में वाहक के विषय में जनता को जागरूक करना, मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों की जाँच करना।
- क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची तैयार करना, जहाँ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो।

फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्त्री) निम्नलिखित लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम, पता एवं मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगे –

go-neelam

- बुखार के रोगियों की सूची
- आई0एल0आई0 (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) रोगियों की सूची
- क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची
- कुष्ठ रोग तथा फाइलेरिया एवं कालाज़ार रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों की सूची
- कुपोषित बच्चों की सूची

  इसी के साथ क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची जहाँ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो, निर्धारित प्रपत्र पर फ्रंटलाइन वर्कर्स के द्वारा तैयार कर उपलब्ध कराई जाएगी।

इन समस्त कार्यों हेतु क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री आशा को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी।

खण्ड विकास अधिकारी की भूमिका –

ब्लॉक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले समस्त कार्यों के लिए नोडल अधिकारी की भूमिका निभाएंगे तथा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करेंगे:–

1. समस्त 75 जनपदों के समस्त विकास खण्डों पर दिनाँक 27–28 मार्च, 2025 के मध्य ग्राम विकास अधिकारियों की विशेष मासिक बैठक आयोजित कर प्रातः 11.00 बजे से 01.00 बजे तक का समय संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार के सम्बन्ध में ग्राम विकास अधिकारियों के संवेदीकरण हेतु रक्षित कर इसमें ग्राम विकास अधिकारियों की शत–प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।
2. समस्त सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी को क्षेत्र आवंटित कर दस्तक अभियान के सन्दर्भ में उनके क्षेत्र में किये गये कार्यों की समीक्षा करेंगे।
3. समस्त ग्राम विकास अधिकारियों को ग्राम स्तर पर की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों यथा–साफ–सफाई, जन–जागरुकता, हैण्डपम्प/हैण्डपम्प प्लेटफार्म की मरम्मत, उथले हैण्डपम्पों का चिन्हिकरण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त करना, अध्यापकों द्वारा **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** के कारणों तथा बचाव के उपायों से अवगत कराने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संचालित करना, फॉगिंग, लार्वीसाइडल स्प्रे, ए0ई0एस0 के कारण दिव्यांग बच्चों का चिन्हीकरण कर उनको सहायता/उपकरण उपलब्ध कराना आदि हेतु निर्देशित कर उनके द्वारा ग्राम स्तर पर सम्पादित कराये गये कार्य की समीक्षा कर आख्या ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से समन्वय समिति को उपलब्ध करायेंगे।

शिक्षकों की भूमिका –स्कूल स्तर पर की जाने वाली गतिविधियां–

- **अध्यापकों द्वारा अभिभावकों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि यूनिफॉर्म हेतु उपलब्ध कराई गई धनराशि से पूरी बाजू की कमीज तथा फुल लेंथ की पैण्ट ही यूनिफॉर्म के रूप में छात्रों को उपलब्ध कराई जाए।**
- शिक्षक **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु अभिभावकों को संवेदीकृत करेंगे तथा सुरक्षित पीने का पानी, शौचालय का प्रयोग, खुले में शौच के नुकसान पर जोर देंगे तथा हर बुखार खतरनाक हो सकता है, बुखार के कारण क्या हैं, बुखार होने पर "क्या करें, क्या ना करें", के विषय में विस्तार से चर्चा करेंगे।
- क्लोरिनेशन डेमो, पेयजल को उबालना, साबुन से हाथ धोना, शौचालय का प्रयोग इत्यादि के विषय में छात्रों एवं अभिभावकों को जागरुक करना।
- स्कूल प्रबन्धन समीति के सदस्यों का उनकी मासिक बैठक में दिमागी बुखार एवं अन्य संचारी रोगों पर संवेदीकरण करें।
- शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकों के वितरण के समय अभिभावकों का संवेदीकरण किया जायेगा।
- पोस्टर प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, क्विज प्रतिस्पर्धा, निबंध लेखन इत्यादि माध्यमों से छात्रों को रोगों से बचाव, पर्यावरणीय स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में सक्रिय सहभागिता के साथ जागरूक करना, शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों का संचालन।

- **दिमागी–बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज)** से बचाव संबंधी प्रचार–प्रसार सामग्री को स्कूल में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लांच हेतु चिन्हित गतिविधियाँ

जनसामान्य में अधिकतम प्रभाव के लिए सभी गतिविधियों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए तथा दिनांक **01 अप्रैल**, **2025** से अभियान को प्रारम्भ किया जाए। सभी सरकारी विभाग इस हेतु अपने विभाग से संबंधित गतिविधियों की सूचना दिनाँक **29 मार्च, 2025** को आयोजित द्वितीय अंतर्विभागीय बैठक में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

go-neelam